खबर संक्षेप

मिनी ब्राजील की 04 बालिका फुटबाल खिलाड़ी मध्यप्रदेश टीम में करेंगी प्रतिनिधित्व

कमिश्नर एवं कलेक्टर ने चयनित फुटबाल खिलाडिय़ो को दी बधाई एवं शुभकामनाए

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता के चयनित मिनी ब्राजील के फुटबाल खिलाड़ी सानिया बहरोलिया, सपना गुप्ता, पूनम बैगा एवं सुहानी कोल एवं फुटबॉल कोच लक्ष्मी सहीस को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि मिनी ब्राजील के नाम से पहचान बना चुका शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर के 4 बालिका फुटबाल खिलाडियो का चयन मणिपुर में 23 से 28 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय शालेय 19 वर्ष आयु वर्ग बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम की ओर से चयन किया गया है। जिन खिलाडिय़ो का चयन किया गया है उनमें सानिया बहरोलिया शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाणसागर, सपना गुप्ता, पूनम बैगा, शासकीय एमएलबी स्कूल शहडोल तथा सुहानी कोल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मिश्रित हाई स्कूल शहडोल के नाम शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी एवं मध्यप्रदेश टीम की फुटबॉल कोच लक्ष्मी सहीस होंगी।

विश्वविद्यालय में डिजिटल पेमेंट साक्षरता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा एमएस ऑफिस एवं डिजिटल पेमेंट साक्षरता विषय पर एक द्विसाप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पीएम उषा और पीएनबी-डिजिशक्ति के सहयोग से आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल कौशल एवं सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के प्रति सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को एमएस ऑफिस एप्लीकेशन्स (वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट), ई-डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म्स, इंटरनेट एवं साइबर सुरक्षा, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, मोबाइल वॉलेट्स तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे छात्र तकनीकी दक्षता के साथ-साथ डिजिटल भुगतान को सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से उपयोग करना सीख सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस पहल को राष्ट्रीय डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नर्मदा तालाब को निगलने की साजिश नाकाम

नगर परिषद की सख्त कार्यवाही, मौके से हाइवा जप्त

पार्षद की शिकायत पर हरकत में प्रशासन

दोषियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

शहडोल। जिले के ब्यौहारी नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत नगरिया मंदिर के पीछे स्थित ऐतिहासिक एवं जनोपयोगी नर्मदा तालाब को मिटाने की साजिश रच रहे भू-माफिया के मंसूबों पर नगरीय प्रशासन ने करारा प्रहार किया है। सार्वजनिक जलस्रोत को पाटकर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी में जुटे भू-माफिया के खिलाफ नगर परिषद ने मौके पर पहुंचकर न केवल काम रुकवाया, बल्कि हाइवा ट्रक को जप्त कर बड़ी प्रशासनिक कार्यवाही को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि वार्ड क्रमांक 11 में स्थित नर्मदा तालाब, जो वर्षों से आसपास के पूरे मोहल्ले के जल-निकास और जल संरक्षण का प्रमुख स्रोत रहा है, उसे योजनाबद्ध तरीके से मिट्टी, पत्थर और मलबा डालकर खत्म किया जा रहा था। इस गंभीर कृत्य के पीछे रीवा निवासी राजू सोनी का नाम सामने आया है, जो कथित रूप से कॉलोनी निर्माण के नाम पर तालाब को निगलने की तैयारी में था।

पहले भी दी गई थी चेतावनी

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कुछ माह पूर्व भी तालाब पाटने की कोशिश की गई थी, जिस पर मोहल्ले वासियों ने तत्काल एसडीएम से शिकायत की थी। तब प्रशासन ने हस्तक्षेप कर काम रुकवा दिया था। लेकिन भू-माफिया ने प्रशासनिक चेतावनी को ठेंगा दिखाते हुए दोबारा चोरी-छिपे काम शुरू कर दिया।

पार्षद की शिकायत से खुला मामला

15 जनवरी 2026 को वार्ड पार्षद सत्येंद्र कुशवाहा को सूचना मिली कि नर्मदा तालाब में फिर से मिट्टी भराई और प्लाटिंग का काम चल रहा है। पार्षद ने बिना देरी किए नगर परिषद को लिखित शिकायत दी। शिकायत मिलते ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश पर इंजीनियर आकाश पांडेय के नेतृत्व में नगरीय निकाय की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

मौके पर रंगे हाथ पकड़ा गया अवैध कार्य

टीम के मौके पर पहुंचते ही पाया गया कि हाइवा ट्रक क्रमांक यूपी-78 सीटी 6560 के माध्यम से तालाब में मिट्टी, पत्थर और मलबा डाला जा रहा था। यह पूरा कार्य बिना किसी अनुमति, बिना ले-आउट स्वीकृति और कॉलोनाइजर एक्ट का खुला उल्लंघन करते हुए किया जा रहा था। मौके पर राजू सोनी निवासी रीवा तथा उसका सहयोगी जयपाल सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 09, ब्योहारी मौजूद पाया गया।

कानून की खुली धज्जियां

नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार यह कृत्य मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 339 का सीधा उल्लंघन है। बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करना न केवल अवैध है, बल्कि सार्वजनिक जलस्रोत का स्वरूप बदलना धारा 339 (ग) के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। यह जल संरक्षण कानूनों का भी खुला उल्लंघन है।

हाइवा जप्त, आगे और सख्ती के संकेत

अवैध भराई में प्रयुक्त हाइवा ट्रक को मौके पर ही जप्त कर नगर परिषद के फिल्टर प्लांट परिसर में खड़ा कराया गया। नगर परिषद द्वारा मौका पंचनामा तैयार कर लिया गया है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की तैयारी चल रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि जुर्माना, एफआईआर और अन्य दंडात्मक कार्यवाही से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

सख्त कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की होती, तो पूरा तालाब मिट्टी में दबा दिया जाता। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे भू-माफिया के खिलाफ उदाहरणात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सार्वजनिक संपत्ति पर नजर उठाने की हिम्मत न कर सके।

प्रशासन का स्पष्ट संदेश

नगर परिषद की इस कार्यवाही से स्पष्ट संकेत गया है कि ब्यौहारी में अब भू-माफिया की मनमानी नहीं चलेगी। सार्वजनिक तालाबों, नालों और जलस्रोतों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। नर्मदा तालाब को बचाने की यह कार्रवाई न केवल प्रशासनिक सतर्कता का प्रमाण है, बल्कि उन भू-माफियाओं के लिए भी चेतावनी है जो कानून को जेब में रखने का सपना देख रहे हैं।

धारणाधिकार के 1100 आवेदन अटके, 2 लाख की वसूली का आरोप

सवालों के घेरे में उमरिया कलेक्टर कार्यालय

उमरिया। जिले में धारणाधिकार से जुड़े 1100 से अधिक आवेदन लंबे समय से पेंडिंग पड़े हैं, जबकि इनके निपटान में देरी के पीछे गंभीर आरोप उभरकर सामने आए हैं। आवेदकों का कहना है कि कलेक्टर कार्यालय से जुड़े कुछ लोग धारणाधिकार स्वीकृति के नाम पर दो लाख रुपए की अवैध वसूली कर रहे हैं। यह रकम समिति के नाम पर ली जाती बताई जाती है, लेकिन न किसी प्रकार की रसीद दी जाती है और न कोई अधिकृत अधिकारी इसके लिए सामने आता है। आरोप है कि कभी किसी टेबल पर पैसा लेने को कहा जाता है, तो कभी किसी अन्य टेबल पर, जिससे स्पष्ट है कि धारणाधिकार की प्रक्रिया पूरी तरह से अनियमितता और सौदेबाजी के दायरे में घिर चुकी है।

जिन लोगों ने पैसे दिए, उनके आवेदन जल्द स्वीकृत कर दिए गए, जबकि जो लोग राशि देने में असमर्थ या अनिच्छुक रहे, उनकी फाइलें महीनों से लंबित पड़ी हैं। इस व्यवस्था ने न केवल धारणाधिकार की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है, बल्कि कलेक्टर कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर संदेह उत्पन्न कर दिया है। सवाल यह है कि आखिर किसकी अनुमति से दो लाख रुपए जैसी भारी रकम ली जा रही है और कौन है वह समूह जो सरकारी कार्यालय की आड़ में यह कथित सौदा चला रहा है।

उमरिया जिला वर्षों से भारतीय जनता पार्टी का मजबूत जनाधार रहा है। यहां की जनता ने नगरीय निकाय से लेकर दोनों विधानसभा क्षेत्रों और लोकसभा तक भाजपा के उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाकर भेजा है। ऐसे में जिले के नागरिक पूछ रहे हैं कि क्या इसी दिन के लिए उन्होंने पार्टी पर भरोसा जताया था? क्या जनता ने इसलिए जनप्रतिनिधियों को भेजा था कि कलेक्टर कार्यालय के नाम पर खुलेआम वसूली हो और काम कराने के लिए निर्धारित राशि तय कर दी जाए? लोगों का कहना है कि धारणाधिकार जैसे संवेदनशील राजस्व मामलों में इस तरह की अवैध आर्थिक लेनदेन की गतिविधियां मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार की छवि को ठेस पहुंचा रही हैं।

कलेक्टर कार्यालय में बैठकर कौन यह खेल संचालित कर रहा है, यह अब जांच का विषय बन चुका है। आवेदकों का कहना है कि वे कार्रवाई के डर से खुलकर कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि उन्हें बताया जाता है कि शिकायत करने पर उनकी फाइलें और अधिक विलंबित हो जाएंगी। यह भय का माहौल इस बात का संकेत है कि पूरा तंत्र किसी न किसी संरक्षण में कार्य कर रहा है। यदि ऐसा नहीं है, तो फिर 1100 आवेदन महीनों से क्यों अटके हुए हैं और उनकी सुनवाई क्यों नहीं की जा रही?

स्थिति यह बताती है कि धारणाधिकार की प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हैं, और यदि इस पर तत्काल प्रभाव से कठोर कदम नहीं उठाए गए तो प्रशासनिक विश्वसनीयता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। जिले की जनता अब यह जानना चाहती है कि दो लाख रुपए की यह अवैध वसूली कौन कर रहा है, किसकी जानकारी में यह सब हो रहा है और क्यों कोई जवाबदेही तय नहीं की जा रही है। धारणाधिकार के नाम पर चल रहा यह कथित भ्रष्टाचार उमरिया के प्रशासनिक ढांचे पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है, जिनका उत्तर अब जिला प्रशासन और शासन दोनों को देना होगा।

सूने मकान को निशाना बनाने वाले तीन शातिर चोर गिरफ्तार

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर थाना पुलिस ने झिरियाटोला में हुई चोरी की वारदात का महज 48 घंटे के भीतर पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए जेवरात, बर्तन और अनाज समेत करीब 30,000 रुपये का मशरूका भी बरामद कर लिया है।

मायके गई थी महिला, पीछे से साफ कर दिया हाथ

घटना 12 जनवरी की है, जब झिरियाटोला निवासी क्रांति पटेल अपने बच्चों के साथ मायके गई थीं। सूने मकान को देख गांव के ही दो युवकों ने अपने एक साथी के साथ मिलकर धावा बोल दिया। 13 जनवरी की सुबह जब पीड़िता लौटी, तो घर के टूटे ताले और बिखरा सामान देख उनके होश उड़ गए।

घेराबंदी कर दबोचे गए आरोपी

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा ने टीम गठित की। पुलिस ने मुखबिर तंत्र और संदेहियों से कड़ाई से पूछताछ की, जिसके बाद अनिल कुमार कोल उम्र 23 वर्ष, टहलू उर्फ राजेन्द्र पटेल उम्र 29 वर्ष और ब्योहारी निवासी गोलू उर्फ धीरज पटेल उम्र 21 वर्ष को घेराबंदी कर धर दबोचा। आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कुबूल कर लिया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा के साथ सउनि मिथला प्रसाद, प्र.आर. भैयालाल, प्र.आर. रुस्तम सिंह, आरक्षक नीरज और उदयभान सिंह की मुख्य भूमिका रही। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस की इस मुस्तैदी से क्षेत्र के अपराधियों में हडक़ंप व्याप्त है।

वेतन-मानदेय नियमित भुगतान का दावा

सफाई कर्मियों की हड़ताल पर नगर पालिका सख्त

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका परिषद शहडोल के सफाई कर्मचारियों द्वारा 14 जनवरी को विभिन्न मांगों को लेकर अचानक कार्य बंद कर हड़ताल करने के बाद पालिका प्रशासन ने आधिकारिक प्रेस नोट जारी करते हुए स्थिति स्पष्ट की है। गुरुवार को हुई इस हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई थी।

जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि सफाई कर्मचारियों की ओर से एरियर्स के भुगतान और मानदेय से संबंधित कुछ मांगें रखी गई थीं। नगर पालिका प्रशासन ने अपने बयान में कहा है कि सभी नियमित कर्मचारियों का वेतन व विभिन्न भत्तों का भुगतान दिसंबर माह तक किया जा चुका है, साथ ही आकस्मिक कर्मियों का भी प्रतिमाह नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा है।

पालिका प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि एरियर भुगतान को लेकर कर्मचारियों से 4 से 5 किस्तों में भुगतान करने पर सहमति बनी थी, जिसके अनुसार किस्तों का भुगतान जारी है। बावजूद इसके कर्मचारियों द्वारा अचानक हड़ताल किए जाने को अनुचित बताया गया है।

प्रेस नोट में कहा गया है कि सफाई कर्मचारियों का कार्य शहर की स्वच्छता व्यवस्था से सीधा जुड़ा है। ऐसे में कर्मचारियों द्वारा अचानक काम बंद कर देना नागरिक सुविधाओं को बाधित करता है। प्रशासन ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कर्मचारियों को चर्चा के लिए आमंत्रित कर मार्गदर्शन भी दिया है। जिला प्रशासन को भी हड़ताल की सूचना भेज दी गई है।

नगर पालिका ने पत्र में हड़ताली कर्मचारियों से अपील की है कि वे शीघ्र कार्य पर लौटें, क्योंकि उनकी अधिकांश मांगों पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है और शेष प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी की जा रही हैं। साथ ही कर्मचारियों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा।

पालिका प्रशासन ने शहरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सफाई व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए कर्मचारियों का कार्य पर लौटना आवश्यक है।

सांसद हिमाद्री सिंह ने रेलवे अधिकारियों से की विस्तृत चर्चा

क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

शहडोल। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने स्थानीय रेल सुविधाओं के विस्तार और यात्री सुविधाओं में सुधार को लेकर हाल ही में बिलासपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम अनुराग सिंह से विस्तृत चर्चा की। सांसद ने शहडोल, बुढ़ार, अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी, नरोजाबाद सहित संसदीय क्षेत्र के सभी प्रमुख स्टेशनों पर लंबे समय से लंबित समस्याओं, अव्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं की कमी पर विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने इन समस्याओं को शीघ्र हल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सीनियर डीसीएम अनुराग सिंह ने सांसद की बातों को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि रेलवे प्रशासन क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता से काम करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही शहडोल- अनूपपुर क्षेत्र का दौरा करेंगे और जमीनी स्थिति का निरीक्षण करके आवश्यक सुधार सुनिश्चित करेंगे। बातचीत के दौरान सांसद के साथ मौजूद प्रतिनिधियों ने भी स्थानीय स्तर पर यात्रियों को होने वाली परेशानियों से डीसीएम को अवगत कराया।

गौरतलब है कि सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह इससे पहले नई दिल्ली में रेल मंत्री, भारत सरकार से भी मुलाकात कर चुकी हैं। उन्होंने संसदीय क्षेत्र की रेल संबंधी समस्याओं पर विस्तृत मांग पत्र सौंपते हुए स्टेशनों पर आधारभूत सुविधाएँ बढ़ाने, ट्रेनों के ठहराव, पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षालय, लाइटिंग, सुरक्षा एवं प्लेटफार्म विस्तार जैसे मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का अनुरोध किया था। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सांसद ने सीनियर डीसीएम से भी वही मांगें दोहराईं और स्थानीय जनता की अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की बढ़ती संख्या और क्षेत्र के तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए रेलवे को भी अपनी सेवाओं में आधुनिक सुधार करने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार देशभर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विभिन्न स्टेशनों का कायाकल्प कर रही है और शहडोल संसदीय क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। आने वाले दिनों में इन स्टेशनों पर अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं, आधुनिक भवन, विस्तृत प्लेटफॉर्म, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध होने की उम्मीद है।

सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि शहडोल, अनूपपुर और आसपास के क्षेत्रों में रेलवे सबसे महत्वपूर्ण यातायात साधन है। ऐसे में रेल सुविधाओं का विकास सीधे तौर पर आम नागरिकों की सुविधा और आर्थिक वृद्धि से जुड़ा हुआ है। उन्होंने क्षेत्रीय जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वे लगातार रेल मंत्रालय और मंडल अधिकारियों के संपर्क में हैं और हर समस्या के समाधान तक प्रयास जारी रहेगा। सांसद की सक्रियता और लगातार प्रयासों से लोगों में सकारात्मक उम्मीद जागी है। स्थानीय नागरिकों ने भी उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में रेलवे से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा और संसदीय क्षेत्र के स्टेशनों को नई ऊर्जा और आधुनिक स्वरूप प्राप्त होगा।

खाकी का मानवीय चेहरा

मौत के फंदे को मात देकर डायल-112 ने बचायी महिला की जिंदगी

शहडोल। जब जिंदगी और मौत के बीच फासला चंद सेकंडों का रह जाए, तब सिस्टम की सजगता ही देवदूत बनकर सामने आती है। अमलाई थाना क्षेत्र के रावल मार्केट में शुक्रवार को खाकी ने कुछ ऐसा ही करिश्मा कर दिखाया। घरेलू कलह से टूटकर फांसी के फंदे पर झूल रही एक विवाहिता को डायल-112 की टीम ने ऐन वक्त पर मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी पुलिस

जानकारी के अनुसार, रावल मार्केट निवासी एक महिला अपने पति की प्रताडऩा और रोज-रोज के विवाद से इतनी तंग आ चुकी थी कि उसने मौत को गले लगाने का खौफनाक फैसला कर लिया। 16 जनवरी को विवाद चरम पर पहुँचा और महिला ने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगा ली। गनीमत रही कि पति ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पायलट अभिषेक वर्मा और आरक्षक 714 प्रिंस कुमार अग्रवाल ने बिना एक पल गंवाए वाहन को मौके की ओर दौड़ा दिया। जब टीम पहुंची, तो कमरा अंदर से बंद था। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए जवानों ने बिना देरी किए दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का मंजर रोंगटे खड़े करने वाला था, महिला फंदे पर लटक चुकी थी और उसकी सांसें उखड़ रही थीं।

सूझबूझ से बची जान

आरक्षक प्रिंस कुमार ने तत्परता दिखाते हुए फंदे को काटकर महिला को नीचे उतारा, वहीं पायलट अभिषेक ने तत्काल प्राथमिक उपचार में मदद की। पुलिस की इस फुर्ती ने महिला को नया जीवन दान दिया। बाद में अमलाई थाना स्टाफ ने मौके पर पहुँचकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला पति की प्रताडऩा और मानसिक तनाव का प्रतीत हो रहा है।

सिस्टम की संवेदनशीलता को सलाम

अक्सर आलोचनाओं के घेरे में रहने वाली पुलिस का यह रूप समाज के लिए एक बड़ा संदेश है। धनपुरी पुलिस और डायल-112 के इन जांबाजों ने साबित कर दिया कि अगर नीयत साफ और इरादे नेक हों, तो मौत को भी हार माननी पड़ती है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस टीम के इस साहस और मानवीय संवेदना की मुक्त कंठ से सराहना की है।

खेत से पंप चोरी करने वाले पिता-पुत्र को भेजा जेल

शहडोल।

खून-पसीना बहाकर फसल सींचने वाले किसान के संसाधनों पर हाथ साफ करने वाले चोरों को सिंहपुर पुलिस ने सबक सिखा दिया है। ग्राम बोडरी में किसान के खेत से सिंचाई पंप चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने न केवल गिरफ्तार किया, बल्कि उनके कब्जे से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपी रिश्ते में पिता-पुत्र हैं, जिन्होंने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था।

पाइप काटकर ले उड़े पंप

घटना 8 जनवरी की रात की है। ग्राम बोडरी (सेहरा टोला) निवासी किसान कमलेश पटेल अपने हरदिहा वरुहा नदी के पास स्थित खेत में पंप लगाकर सिंचाई कर रहे थे। काम खत्म करने के बाद वे खेत पर ही सो गए। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने सेक्शन पाइप काटकर मोनो ब्लॉक पंप पार कर दिया। 14 जनवरी को मामले की रिपोर्ट दर्ज होते ही सिंहपुर पुलिस एक्शन मोड में आ गई।

संदेह के घेरे में आए ग्रामीण, खुला राज

थाना प्रभारी सिंहपुर के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की और संदेह के आधार पर गांव के ही उमेश कोल उम्र 30 वर्ष और उसके पिता समयलाल कोल उम्र 50 वर्ष को हिरासत में लिया। जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो पिता-पुत्र के पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गया पंप बरामद कर लिया है।

जेल की सलाखों के पीछे अपराधी

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। सिंहपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने क्षेत्र के किसानों को राहत दी है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है, किसानों की मेहनत और संपत्ति पर नजर डालने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पड़ोसी की बिजली वाली साजिश ने ली किसान की जान

शहडोल। इंसानी लालच और संवेदनहीनता ने एक बार फिर एक निर्दोष किसान को मौत की नींद सुला दिया। जयसिंहनगर के ग्राम हुडरहा में आलू की फसल बचाने के लिए बिछाया गया करंट का जाल एक किसान के लिए काल बन गया। पड़ोसी खेत मालिक द्वारा जीआई (त्रद्ध) तारों में दौड़ाए गए अवैध करंट की चपेट में आने से 43 वर्षीय किसान नंदलाल सिंह गोंड की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई।

बंदरों के बहाने बिछाया मौत का फंदा

मिली जानकारी के अनुसार नंदलाल रोज की तरह अपने खेत पर गए थे, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटे। अनहोनी की आशंका में जब परिजन तलाश करने निकले, तो खेत की मेड़ पर नंदलाल का बेजान शरीर पड़ा मिला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में रोंगटे खड़े करने वाला सच सामने आया—पास के खेत मालिक ने बंदरों और जानवरों को रोकने के नाम पर खेत के चारों ओर लगे तारों में अवैध रूप से हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित कर रखा था। इसी साइलेंट किलर ने नंदलाल की बलि ले ली।

गैर-इरादतन हत्या या बड़ी लापरवाही

सूचना पर पहुंची जयसिंहनगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुक्रवार को मर्ग कायम कर पुलिस ने उस कातिल खेत मालिक की तलाश शुरू कर दी है, जिसने मासूम जानवरों के बहाने इंसानी जिंदगी को खतरे में डाला। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि खेतों में करंट लगाना एक जानलेवा अपराध है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुलिस का दावा है कि जांच के बाद आरोपी के खिलाफ ऐसी सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जो दोबारा किसी को खेत को कत्लखाना बनाने की हिम्मत न दे।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने अमरपुर में धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत अमरपुर में धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा प्रबंधक से अब तक की गई खरीदी , परिवहन, किसानो के लिए की गई व्यवस्था आदि के संबंध में पूछताछ की । उन्होने कहा कि खरीदी केंद्र से धान के उठाव मे तेजी लाई जाए।

रोजगार मेला में 77 युवाओ को मिला रोजगार

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शासकीय आईटीआई कॉलेज उमरिया में आयोजित युवा संगम रोजगार मेला में 77 युवाओ को रोजगार प्रदाय किया गया । जिसमें एलआईसी उमरिया में 22 युवाओ को, श्री राम फाइनेंस उमरिया में 6 युवाओ को, प्रथम एजुकेशन जबलपुर में 16 युवाओ को,एस आई एस अनूपपुर में 11 युवाओ को, टी एस पी एल में 22 युवाओ को रोजगार प्रदाय किया गया ।

फुनगा चौकी व्दारा अवैध रेत परिवहन करते ट्रेक्टर ट्राली जप्त

हरिभूमि न्यूज भालूमाडा। 13 जनवरी को मुखबिर व्दारा सूचना मिली कि एक सोनालिका कम्पनी का ट्रेक्टर का चालक गोहडारी नदी से ट्रेक्टर की ट्राली में रेत लोड कर ग्राम मौहरी तरफ आ रहा है सूचना पर सूचना की तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु मुखबिर के बताये स्थान पर रेड कार्यवाही की गई एक नीले कलर का सोनालिका ट्रेक्टर मय ट्रॉली रेत लोड ग्राम मौहरी मेन रोड पर खड़ा था ट्रेक्टर को रुकवाकर चालक का नाम पता पूछने पर अपना नाम भूषत पाव पिता संग्राम पाव उम्र 21 वर्ष निवासी सड्डी थाना कोतमा जिला अनूपपुर का बताया मौके पर जिसे नोटिस दिया जाकर ट्रेक्टर ट्राली में लोड रेत संबंधी दस्तावेज व ट्रेक्टर के दस्तावेज चाहा गया जो जानकारी बताया कि ट्रेक्टर ट्रॉली में लोड रेत के वैध दस्तावेज टी.पी. नही है एवं स्वयं का ड्रायविंग लाइसेंस नही होना बताया है। उपरोक्त चालक एवं मालिक का कृत्य अपराध धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस 3/181 एम व्ही एक्ट एवं 4/21 खान खनिज अधि. एक्ट का अपराध पाये जाने पर ट्रेक्टर ट्राली में लोड 3 घनमीटर खनिज रेत को कब्जे पुलिस लिया गया। अरोपी चालक भूपत पाव के विरूध अपराध धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस 3/181 एम व्ही एक्ट एवं 4/21 खान खनिज अधि. कायम कर विवेचना मे लिया गया। उक्त कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कोतमा के मार्गदर्शन में चौकी फुनगा के चौकी प्रभारी उपनिरी. सोने सिह परस्ते, प्र.आर. 161 सूर्यभान सिह प्र.आर. 121 अनिल तिवारी आर. 279 हर्षित गौतम की सराहनीय भूमिका रही।

सात विकटों से जीत के बाद किया सेमीफाइनल में प्रवेश

दूसरे क्वार्टर फाइनल में शहडोल ने उमरिया को दी पटखनी

बुढार । नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा क्वार्टर फाइनल डीसीए शहडोल और डीसीए उमरिया के बीच खेला गया, मैच में डीसीए शहडोल की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उमरिया पर सात विकटों से जीत दर्ज की। आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर नगर परिषद बुढार के उपाध्यक्ष शेखर चौधरी, बीआरसी समन्वयक सीताराम दुबे रहे जिन्होंने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर डीसीए शहडोल ने चुना क्षेत्ररक्षण

मैच का टॉस शहडोल ने जीता और में पिच नमी की भांपते हुए कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया , गेंदबाजी का यह निर्णय शहडोल के लिए तब उपयोगी हुआ जब मैच के पहले ही ओवर में उमरिया का सलामी बल्लेबाज आउट हो गया। शहडोल की टीम की अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने उमरिया की बल्लेबाजी के दौरान उनके बल्लेबाजों को बांधे रखा, जिसके कारण उमरिया की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में 9 विकटों के नुकसान पर महज 140 रन बना पाई, उमरिया की की तरफ से बल्लेबाज अमन त्रिपाठी ने 61 रन और अभय राउत ने हिमांशु ने 22 एवं रनों का योगदान दिया , शहडोल की ओर से गेंदबाज अभिनव सिंह ने विकेट लिए और यश पाटीदार , यतींद्र मोहन तथा ओमनारायण ने 2-2 विकेट लिए।

चौदहवें ओवर में ही लक्ष्य हुआ हासिल

141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शहडोल की टीम ने ताबड़तोड़ अंदाज में अपनी पारी की शुरुआत की ,शहडोल की इस तूफानी बल्लेबाजी से उमरिया के गेंदबाज पूरी पारी के दौरान नहीं उबर पाए । शहडोल की टीम ने चौदहवें ओवर में ही सात विकटों से यह मैच अपने नाम कर लिया । शहडोल की ओर से बल्लेबाज सत्यार्थ शुक्ला ने 38, सचिन विश्वकर्मा ने 31 और अभिनव सिंह ने 30 रन बनाए । शहडोल टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले अभिनव सिंह को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें नगर के युवा व्यवसायी यश तलरेजा ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज शहडोल टीम के प्रायोजक शानू छाबड़ा और जानू छाबड़ा रहे जबकि उमरिया टीम के प्रायोजक राजवाड़ा रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर राजकुमार गुप्ता और अभिनव गुप्ता रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी , श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह इत्यादि प्रमुख हैं ।

समाधान योजना से मिली राहत

एकमुश्त भुगतान पर शत प्रतिशत सरचार्ज माफी, लोगों की बढ़ी रुचि

उमरिया। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई समाधान योजना को जिलेभर में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। बिजली विभाग ने बकाया वसूली प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया है, जिनमें विभागीय अधिकारी और मैदानी कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हैं। ये टीमें रोजाना विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं और उपभोक्ताओं को योजना की विस्तृत जानकारी देकर उन्हें इसका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

इन टीमों द्वारा बताया जा रहा है कि समाधान योजना के तहत उपभोक्ता अपने पिछले बकाया एरियर को या तो एकमुश्त जमा कर सकते हैं या फिर 6 आसान किश्तों में चुका सकते हैं। योजना में सरचार्ज माफी की बड़ी राहत दी गई हैकृ एकमुश्त जमा करने पर शत प्रतिशत सरचार्ज माफी और किश्तों में भुगतान करने पर 70 प्रतिशत सरचार्ज माफी का प्रावधान रखा गया है। विभाग का उद्देश्य अधिकतम उपभोक्ताओं को इस योजना से लाभान्वित करना है ताकि उनकी आर्थिक बोझ कम हो सके।

योजना के क्रियान्वयन के तहत बिजली विभाग की टीम ने ग्राम खेरवा खुर्द में विशेष जागरूकता एवं संपर्क अभियान चलाया। गाँव में बकाया राशि अधिक होने के कारण शत प्रतिशत केव्हीए का डीटीआर पहले बंद करना पड़ा था, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा हो रही थी।अभियान के दौरान टीमों ने घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को योजना का लाभ समझाया और समय पर बकाया जमा करने की अपील कीजिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए - 45 में से 35 उपभोक्ताओं ने तुरंत अपने बिजली बिल जमा कर दिए, जिसके बाद विभाग ने गाँव की सुविधा को देखते हुए शत प्रतिशत केव्हीए डीटीआर को पुनः चालू कर दिया।स्थानीय उपभोक्ताओं ने सरकार की इस पहल को बेहद सराहनीय बताया और कहा कि इससे उन्हें राहत मिली है और बिजली आपूर्ति पुनः सुचारू हो गई है।

अधीक्षण अभियंता ने जिले के सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समाधान योजना का लाभ अवश्य उठाएँ, क्योंकि यह सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग की टीमें निरंतर क्षेत्र भ्रमण कर रही हैं और उपभोक्ताओं को योजना के लाभ, भुगतान की प्रक्रिया तथा उपलब्ध रियायतों की जानकारी दे रही हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समाधान योजना उपभोक्ताओं के लिए एक अद्भुत अवसर है, जिसके माध्यम से वे कम वित्तीय भार में अपने बकाया का निस्तारण कर सकते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से समय पर बिल भरने और बिजली व्यवस्था को सहयोग देने की भी अपील की। जिले में चलाई जा रही इस व्यापक मुहिम से उपभोक्ताओं में बिजली बिलों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। विभाग द्वारा दी जा रही रियायतें लोगों के लिए राहतकारी सिद्ध हो रही हैं और इससे विभाग तथा उपभोक्ताओं के बीच विश्वास भी मजबूत हुआ है। समाधान योजना ने ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक माहौल बनाया है तथा बड़ी संख्या में लोग योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

पीएमडीडीकेवाय की समीक्षा बैठक संपन्न

उमरिया। तरूण कुमार पिथोडे एम एस -कम- सी एन ओ भारत सरकार कि अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई । बैठक में विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओ एवं चुनौतियों, जिले व्दारा की गई पहल, पीएमडीडीकेवाय की प्रगति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना,उद्यानिकी, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना,किसान क्रेडिट कार्ड योजना,स्व सहायता समूहो को उपलब्ध कराई जा रही वित्तीय सहायता, प्रधानमंत्री धन धान्य योजना में सहभागी वाटरशेड विकास सहित अन्य बिंदुओ पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन,वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,उप संचालक कृषि संग्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

विज्ञान नहीं, सिर्फ दिखावा

मोबाइल साइंस प्रदर्शनी बनी खानापूर्ति का उदाहरण

हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना। विज्ञान को जन-जन तक पहुँचाने और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से बदरा स्थित विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में लगाई गई मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी हकीकत में महज एक औपचारिक कार्यक्रम बनकर रह गई। पंपलेट में दर्शाए गए आकर्षण, इंटरएक्टिव मॉडल और व्यापक सहभागिता के दावे जमीनी सच्चाई से बिल्कुल विपरीत नजर आए। प्रदर्शनी स्थल पर मात्र 15 से 20 बच्चे ही उपस्थित थे। न तो विद्यार्थियों में कोई खास उत्साह दिखा और न ही विज्ञान को लेकर जिज्ञासा पैदा करने जैसा वातावरण बन सका। भोपाल से वाहन के साथ पहुँचे राहुल पाटिल द्वारा बच्चों को केवल औपचारिक जानकारी दी गई, जो पूरी तरह से खानापूर्ति तक सीमित रही। किसी भी मॉडल को प्रयोगात्मक रूप से चलाकर नहीं दिखाया गया और न ही प्रश्न-उत्तर या संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में "ऊर्जा के रूप", "विद्युत ऊर्जा", "ध्वनि को देखें" और "ऊर्जा स्थानांतरण एवं संरक्षण" जैसे विषयों से जुड़े मॉडल लगाए गए थे, लेकिन अधिकांश मॉडल या तो निष्क्रिय अवस्था में रहे या केवल देखने तक सीमित थे। ध्वनि तरंगों, एसी-डीसी करंट, ऊर्जा रूपांतरण और संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विषयों को जिस व्यावहारिक और अनुभवात्मक तरीके से समझाया जाना चाहिए था, वह पूरी तरह गायब रहा। पुराने और जर्जर मॉडल बच्चों में न तो जिज्ञासा जगा पाए और न ही वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित कर सके, जिससे यह पूरा आयोजन मात्र दिखावे की प्रदर्शनी बनकर रह गया।

जानकारी के अनुसार इस विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जनजाति कार्य विभाग, अनूपपुर द्वारा किया जाना बताया गया, लेकिन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर उपस्थित नहीं था। न निरीक्षण हुआ, न मार्गदर्शन और न ही किसी प्रकार की निगरानी, जिससे आयोजन की गंभीरता पर बड़े सवाल खड़े हो गए। गौरतलब है कि पूर्व में ऐसे आयोजनों का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी किया जाता रहा है, लेकिन बदरा में हुआ यह आयोजन भी केवल कागजी औपचारिकता साबित हुआ पंपलेट में जिन अत्याधुनिक सुविधाओं, नवाचार, सहभागिता और अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षा की बात की गई थी, उनका आयोजन स्थल पर कोई ठोस प्रमाण नजर नहीं आया। स्थानीय अभिभावकों और नागरिकों का कहना है कि यदि वास्तव में विज्ञान को बच्चों तक पहुँचाना है, तो ऐसे कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भूमिका, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और विद्यार्थियों की वास्तविक सहभागिता जरूरी है। अन्यथा विज्ञान प्रदर्शनी के नाम पर होने वाले ऐसे आयोजन केवल सरकारी धन के दुरुपयोग और दिखावे का माध्यम बनकर रह जाएंगे। यह आयोजन एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या इस तरह के कार्यक्रम वास्तव में बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए किए जा रहे हैं या फिर केवल रिपोर्ट और फाइलों की शोभा बढ़ाने तक ही सीमित हैं।

लाड़ली बहना योजना, सशक्त मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प-जिला पंचायत अध्यक्ष

लाड़ली बहना योजना बल्कि बहनों का आत्मसम्मान-जिला पंचायत उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह ने कहा है कि नारी हर रूप में समर्पण का प्रतीक है। इनके कल्याण के लिए राज्य सरकार ने जो भी कहा वह करके दिखाया है। बहनों के कल्याण के संकल्प की दिशा में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना ने बहनों का जीवन ही नहीं, मध्यप्रदेश के भविष्य की दिशा भी बदल दी है। योजना के अंतर्गत यह 32 वीं किस्त है, जो लाडली बहनों के खाते में अंतरित हुई है। लाड़ली बहना योजना अब मदद की नहीं, मौका देने की योजना बन गई है। साथ ही उन्होंने उपस्थित जनों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित लाडली बहना योजना के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर ने कहा कि लाड़ली बहना योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि हमारी बहनों के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। यह हर बहन के सम्मान और सशक्त मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में हमारे संकल्प की पूर्ति है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हमारी हर लाड़ली बहनें अपने जीवन में आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और सशक्त बने। कार्यक्रम को समाजसेवी श्रीमती रश्मि खरे ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने किया राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम जिले के माखन नगर (बाबई) मे आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 31 हजार से अधिक पात्र बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। जिसमें अनूपपुर जिले की 1 लाख 25 हजार 248 लाडली बहनों के खाते में 18 करोड़ 24 लाख 45 हजार 600 की राशि अंतरित की गई।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखने एवं सुनने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार सहित अनूपपुर जिले के जनपद व नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण के साथ ही बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को देखा एवं सुना।

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में लाडली बहनों को भेंट किया गया उपहार

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर सहित विभागीय अधिकारियों ने लाडली बहनों को उपहार भेंट किया। इसी प्रकार सभी नगरीय निकायों एवं जनपद मुख्यालयों में भी आयोजित कार्यक्रमों में लाडली बहनों को उपहार प्रदान किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक एवं बड़ी संख्या में लाडली बहनें उपस्थित थीं।

खबर संक्षेप

नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर चालानी कार्यवाही, वसूले 3 हजार

कटनी। नगर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी एवं पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से सार्थक प्रयास किए जा रहे है। इसी श्रृंखला में स्टेशन रोड मुख्य मार्ग में चलाए गए अभियान के दौरान नो-पार्किंग जोन में अनधिकृत रूप से खड़े कुल 9 वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों पर 3 हजार रुपये की चालानी कार्यवाही की गई। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त क्षेत्रों में की गई, जहां अनधिकृत पार्किंग के कारण यातायात बाधित हो रहा था। अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश देते हुए भविष्य में उल्लंघन न करने की चेतावनी भी दी। नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा एवं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसी संयुक्त कार्यवाहियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर नगर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

10 मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस भेजे गए

कटनी। नगर में नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम कटनी द्वारा हांका गैंग को सक्रिय किया जाकर सार्वजनिक मार्गों एवं व्यस्त चौराहों पर आवागमन में बाधा बन रहे घुमंतू मवेशियों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि सुगम आवागमन व्यवस्था के मद्देनजर बुधवार को विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन रोड मुख्य चौराहा, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, सहित बरगवां ओवर ब्रिज के नीचे आवारा रूप से विचरण कर रहे 10 मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़कर वाहन के माध्यम से अमीरगंज कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही की गई। निगम प्रशासन द्वारा घुमंतू मवेशियों को पकड़ने हेतु संचालित किए जा रहे अभियान से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के प्रयास किए जा रहे है। स्वास्थ्य अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू मवेशियों को खुले में न छोड़ें एवं शहर की सफाई एवं आवागमन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग प्रदान करें।

पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ श्रीराम महायज्ञ का समापन

शहडोल। जिले की सोहागपुर जनपद की ग्राम पंचायत ऐंताझर के निर्माणाधीन श्रीहनुमान मंदिर परिसर में 5 जनवरी से चल रहे श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीहनुमंत राम कथा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ गुरुवार को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे भंडारे के साथ हो गया। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया। श्रीराम कथा के शुभारंभ से लेकर कथा विश्राम तक क्षेत्रीय जनों, जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति एवं सेवा से श्रीराम कथा को अविस्मरणीय बना दिया। वृंदावन धाम के प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य श्रीराघवकृष्ण महाराज ने पूरे नौ दिनों तक अपनी ओजस्वी, मधुर एवं भावपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से श्रोताओं को भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों से परिचित कराया। श्रीराम कथा के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। सम्पूर्ण श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीहनुमंत राम कथा के आयोजन को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह का वातावरण रहा। श्रीराम महायज्ञ में प्रतिदिन प्रातः पूजा-पाठ एवं यज्ञ अनुष्ठान में शामिल होने न केवल ग्राम वासी बल्कि दूर दूर से बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुए। श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीहनुमंत राम कथा के कथावाचक एवं वृंदावन धाम के कथा वाचक आचार्य श्रीराघवकृष्ण महाराज ने ग्राम ऐंताझर में आयोजित राम कथा के समाप्ति पश्चात सभी श्रोताओं एवं आम जन को सुमति का संदेश दिया। उन्होंने राम चरित मानस की चौपाई का उल्लेखित करते हुए कहा कि राम कथा हमारे जीवन को सार्थक बनाती है। आप जहाँ भी प्रभु का नाम सुने । उसे अपने हृदय में धारण कर उसे अपने अंदर आत्मसात भी करना है। आचार्य राघवकृष्ण महाराज ने बताया कि वृन्दावन से शिक्षा दीक्षा लेने के बाद उनकी आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ हुई,जो वर्ष 2000 से लगातार राम कथा,भागवत कथा, शिव महापुराण की कथा नियमित रूप से कर रहा हूँ। उन्होंने ने कहा कि कथा करते हुए लगता है जैसे प्रभु मेरे समक्ष ही विद्यमान है।

श्रीराम कथा के बाद हुआ विशाल भंडारा

श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीहनुमंत राम कथा के विश्राम के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रीराम भक्तों ने पहुंचकर श्रद्धा भक्ति के साथ प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में कथा के सेवादारों ने सेवा भावना के साथ श्रीराम भक्तों को प्रसाद का वितरण किया। भंडारा दोपहर करीब एक बजे से प्रारम्भ होकर देर शाम तक चलता रहा। भंडारे का प्रसाद लेने के लिए अपार जन श्रद्धा भक्ति के शामिल हुए।

श्रीहनुमान मंदिर निर्माण परिसर ऐंताझर में आयोजित श्रीराम महायज्ञ एवं कथा के आयोजन में मुख्य रूप से सुशील शर्मा, गिरीश श्रीवास्तव, सिंहपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मुन्नालाल राहंगडाले, अरुण श्रीवास्तव, नीलेश शुक्ला, अशोक श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, सुजीत श्रीवास्तव, सरपंच मैकू बैगा, संदीप द्विवेदी, यज्ञाचार्य रामसुशील शर्मा, सुभाष द्विवेदी, सुधीर शर्मा,मनोज श्रीवास्तव,केशव कोल, द्वारिका गुप्ता, अंभोज श्रीवास्तव, कुलदीप शर्मा, गौरव गुप्ता, रामभजन गुप्ता, अनुभव शर्मा, प्रदीप पटेल, कैलाश त्रिपाठी,शिवम शर्मा, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, अरविन्द शर्मा, गोविन्द सिंह सहित सभी ग्रामवासी, क्षेत्रीयजन, जनप्रतिनिधि , राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियो ने उल्लासपूर्वक शामिल हुए।

नेहरू महाविद्यालय ग्राउंड में विकास खंड स्तरीय विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ ट्रायल

चयनित खिलाड़ियों जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

बुढ़ार। शुक्रवार को शासकीय नेहरू महाविद्यालय कालेज ग्राउंड में खेल और युवा कल्याण विभाग के द्वारा आयोजित खेलों एम पी यूथ गेम्स का भव्य आयोजन हुआ।प्रतियोगिता श्रंखला मे बुढार क्षेत्र के अन्तर्गत विकासखंड स्तर खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर 16 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिला खेल युवा कल्याण विभाग के प्रभारी रजनी मेश्राम ने बताया कि खेलों एमपी यूथ गैम्स का ट्रायल प्रतियोगिता करकर प्रतियोगियों को चयनित कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने भेजा जाएगा। हाकी,बाक्सिग, एथलेटिक्स, खो-खो, तैरानी, टेबल टेनिस, मल्लखम्ब, कुश्ती, जूड़ो कराते, शतरंज, बेटलिफ्टीगं, फुटबॉल,व हालीवाल, बैडमिंटन, पिट्ठू, बास्केटबॉल, टेनिस, योगासन , रस्सी कस्सी, कबड्डी प्रतियोगिता का ट्रायल किया गया जिसमें चयनित खिलाड़ियों को जिला एवं प्रदेश स्तरीय टीम में खेल का प्रदर्शन करने भेजा जाएगा।इस प्रतियोगिता मे भाग लेने हेतु ऑन लाइन पंजीयन अनिवार्य होगा अगर पंजीयन नहीं होगा तो सहभागिता से वंचित रहेंगे।ट्रायल प्रतियोगिता में श्रीमती सोनू नामदेव, मोहम्मद इमरान एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बेरोजगारी पर प्रबंधन का बदला रुख, अमलाई ओसीएम में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की पहल

अमलाई ओसीएम में रोजगार पर बड़ा बयान, स्थानीय युवकों को रखने पर बनी सहमति

धनपुरी। धनपुरी कोयलांचल में बढ़ती बेरोजगारी के बीच अमलाई ओसीएम से जुड़ा एक अहम मोड़ सामने आया है। स्थानीय युवकों को रोजगार देने की मांग पर जब अमलाई ओसीएम के प्रबंधक पी. रवन्ना से आर के टी सी कंपनी को लेकर सवाल किया गया, तो प्रबंधन की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया कि स्थानीय लोगों को काम पर रखने से भोजन, रहने, सुरक्षा एवं अन्य व्यावहारिक समस्याओं से बचा जा सकता है, इसलिए स्थानीय बेरोजगार युवकों को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रबंधन ने यह भी स्वीकार किया कि कंपनी इस दिशा में "बीच का रास्ता" निकालकर स्थानीय बेरोजगारों को सहारा देने का प्रयास करेगी।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमलाई ओसीएम में रोजगार को लेकर युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया और करणी सेना के नेतृत्व में बेरोजगार युवकों ने आंदोलन किया। आंदोलन के बाद प्रबंधन की यह प्रतिक्रिया बेरोजगार युवाओं के लिए उम्मीद की किरण मानी जा रही है।

मेडिकल–वीटीसी पूरे, फिर भी इंतजार में युवा

स्थानीय युवकों ने वार्ता के दौरान बताया कि आर के टी सी कंपनी का काम देख रहे पाठक द्वारा पहले ही काम पर रखने का वादा किया गया था। इसी भरोसे पर दर्जनों बेरोजगार युवकों ने मेडिकल, वीटीसी सहित सभी आवश्यक दस्तावेज कंपनी में जमा कर दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक कार्य पर नहीं लिया गया है। युवकों का कहना है कि जब सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, तो फिर रोजगार देने में देरी क्यों की जा रही है।

स्थानीय बनाम बाहरी की बहस फिर तेज

प्रबंधन की ओर से यह भी माना गया कि बाहरी मजदूरों को रखने पर उनके रहने, खाने, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं में अतिरिक्त परेशानियां आती हैं, जबकि स्थानीय युवकों को रखने से न सिर्फ ये समस्याएं खत्म होती हैं, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक संतुलन भी बना रहता है। इसी आधार पर स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई।

बेरोजगारी से जूझता कोयलांचल

धनपुरी कोयलांचल में हालात यह हैं कि हजारों युवा बेरोजगार हैं और कुछ वर्षों के लिए मिलने वाली लगभग 20-30 हजार नौकरियों को लेकर भी स्थिति विस्फोटक बनती जा रही है। खदानों के बीच पले-बढ़े युवा आज अपने ही क्षेत्र में काम पाने के लिए आंदोलित हैं। अमलाई ओसीएम में उठा यह मुद्दा अब सिर्फ रोजगार का नहीं, बल्कि स्थानीय अधिकार और सामाजिक न्याय का सवाल बनता जा रहा है।

नजरें अब अमल पर

प्रबंधन द्वारा स्थानीय युवकों को प्राथमिकता देने और बीच का रास्ता निकालने के बयान के बाद अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि यह आश्वासन कागजों तक सीमित रहता है या वास्तव में बेरोजगार युवकों को रोजगार का सहारा मिलता है। यदि मेडिकल और वीटीसी पूरे कर चुके युवकों को शीघ्र काम नहीं मिला, तो बेरोजगारी की यह चिंगारी फिर बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

उमरिया में पीआईबी भोपाल द्वारा वार्तालाप संपन्न

उमरिया। ग्रामीण भारत में नया (विकसित भारत दृ रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 आर्थिक समृद्धि का ऐसा रास्ता खोल रहा है जहां निश्चित रोजगार गारंटी के माध्यम से गांव की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। इस आशय के विचार पत्र सूचना कार्यालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार ,भोपाल द्वारा उमरिया ,मध्य प्रदेश में आयोजित एक दिवसीय वार्तालाप कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने व्यक्त किये ।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ग्रामीण परिवारों को जिनके वयस्क सदस्य स्वेच्छा से बिना कौशल वाले काम के लिए तैयार हैं, 125 दिन की मजदूरी वाले रोजगार की गारंटी देता है। इसके पहले 100 दिन की पात्रता से अधिक दिनों की आय में सुरक्षा में मदद मिलेगी ।साथ ही बुवाई और कटाई के व्यस्त सीजन में खेती में काम करने वाले मजदूरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कुल 60 दिन का नो वर्क पीरियड भी मिलेगा। शेष 305 दिनों में भी मजदूरों को 125 दिन की गारंटी वाला रोजगार प्राप्त होता रहेगा ।इससे किसानों और मजदूर दोनों लाभान्वित होंगे। दैनिक मजदूरी हर सप्ताह या किसी भी स्थिति में काम करने की तिथि के 15 दिन के भीतर वितरित कर दी जाएगी । रोजगार सृजन को चार प्राथमिकता वाले कार्य क्षेत्र के माध्यम से बुनियादी विकास के साथ जोड़ा गया है । यह चार क्षेत्र है जल संबंधी कार्यों के माध्यम से जल सुरक्षा, मुख्य ग्रामीण और संरचनात्मक आजीविका से संबंधित बुनियादी ढांचा और मौसम में बदलाव के असर को कम करने के लिए विशेष कार्य । कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन में अपने विचार व्यक्त करते हुए पीईबी भोपाल के निदेशक मनीष गौतम ने कहा कि निश्चित ही इन प्रावधानों से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि हासिल होगी । भारत सरकार द्वारा हाल ही में जीबी जी राम जी अधिनियम 2025 के माध्यम से ग्रामीण भारत के अवसंरचनात्मक ढांचे को मजबूती देने का सराहनीय प्रयास किया गया है। इसके माध्यम से जहां एक तरफ इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी वहीं दूसरी ओर रोजगार के माध्यम से अकुशल वर्ग को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक अजय प्रकाश उपाध्याय ने किया। आभार प्रदर्शन संदीप चौकसे ,केंद्रीय संचार ब्यूरो जबलपुर द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के अंतर्गत योजनाओं का केंद्रीय प्रतिनिधि ने किया निरीक्षण

उमरिया। तरूण कुमार पिथोडे एम एस -कम- सी एन ओ भारत सरकार ने मानपुर विकास खण्ड के अमरपुर के विभिन्न ग्रामो में प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना अंतर्गत विभिन्न फसलों जैसे सरसो,चना,मसूर प्रदर्शन एवं मिनी किट का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से रूबरू चर्चा की।श्री पिथोडे ने अमरपुर में किसान शेख अजमेर,ग्राम बचहा में किसान नारायण प्रसाद जायसवाल एवं ग्राम पतौर में किसान सुदामा सेन द्वारा खेत मे बोई गई सरसो, चना एवं मसूर प्रदर्शन का अवलोकन किया । किसानों ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा सीख शोध सलाह दी गई जिसके बाद हमने सरसो, चना,मसूर के बीज लेकर खेती करना प्रारंभ किया तथा बोनी करने के तरीके को बताया गया,इसके साथ ही वो टमाटर,प्याज की भी खेती कर रहे हैं जिसकी सराहना श्री पिथोडे ने की। निरीक्षण के दौरान उन्होने चिल्हारी स्थित तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान बताया गया कि चिल्हारी में चार तालाब है,जहां पर मछुआ स्व सहायता समूह व्दारा मछली पालन,सिंघाडा उत्पादन किया जा रहा है। उत्पादित सिंघाड़े का विक्रय कटनी एवं सिहोरा में किया जा रहा है।समिति के लोगो ने तालाब के सौदर्यीकरण एवं गहरीकरण की बात कही । श्री पिथौडे ने गडरिया टोला कोटरी में राईस मिल का भी अवलोकन किया एवं मिलर रामदरश जायसवाल व्दारा किए जा रहे कार्य के बारे मे जानकारी प्राप्त की तथा उचित मार्गदर्शन दिया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह,सहायक संचालक उद्यानिकी झनक सिंह मरावी, सहायक संचालक मत्स्योद्योग आशीष नायक,कृषि वैज्ञानिक धनंजय सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन वर्षों से चल रहा संगठित षड्यंत्र

फर्जी मीडिया रिपोर्ट, बनावटी ऑडियो और गैरकानूनी जमावड़े से प्रशासन पर दबाव

आईजीएनटीयु में बड़े षड्यंत्र का खुलासा

वास्को और उसके सहयोगी शिक्षकों ने निर्दोष छात्रों को झूठे मामलों में फंसाने की रची साजिश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनुपपुरः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में एक बड़े और संगठित षड्यंत्र का खुलासा हुआ है। पीड़ति छात्रों ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 'वास्को' नामक छात्र तथा उसके साथ मिले हुए चार से अधिक शिक्षकों ने मिलकर एक सुनियोजित साजिश के तहत निर्दोष छात्रों को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाया है। पीड़ति छात्रों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से इस मामले की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। हम निर्दोष छात्र हैं। हमारा एकमात्र अपराध यह है कि हम शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं। वास्को और उसके सहयोगी शिक्षकों ने मिलकर हमारा जीवन बर्बाद करने की साजिश रची है। हम न्याय की आशा में जिला प्रशासन, पुलिस और सीबीआई से उच्च-स्तरीय जांच की मांग करते हैं।

षड्यंत्र का पर्दाफाश-वास्को गैंग की करतूतें

पीड़ति छात्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों से एक संगठित गिरोह सक्रिय है जिसका मुख्य दलाल 'वास्को' नामक छात्र है। इस गिरोह में चार से अधिक शिक्षक भी शामिल हैं जो प्रशासनिक पदों पर रहते हुए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि यह गिरोह कई तरीकों से विश्वविद्यालय को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा हैः जिसमें सामान्य घटनाओं को क्षेत्रवाद-जातिवाद से जोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा करना, इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में फर्जी समाचार प्रसारित करवाना, सोशल मीडिया चैनलों पर बनावटी ऑडियो-वीडियो अपलोड करवाकर अपवाह फैलाना, 30-40 बाहरी युवाओं को इकट्ठा कर विश्वविद्यालय प्रशासन पर दबाव बनाना, एट्रोसिटी एक्ट और लड़कियों के मुद्दों का दुरुपयोग कर झूठी शिकायतें दर्ज करवाना, कुलपति एवं प्रशासन पर गलत निर्णय लेने का दबाव बनाना प्रमुख है।

वर्तमान घटना का सच तथा तथ्यों का विकृतीकरण

पीड़ति छात्रों के अनुसार, गुरु गोविंद बॉयज हॉस्टल में प्रातः लगभग 4-5 बजे के मध्य एक सामान्य झड़प हुई थी। यह छात्रावास जीवन में होने वाली एक सामान्य घटना थी जिसमें सत्य यह है की किसी ने "आप कहां से हैं?" जैसा कोई प्रश्न नहीं पूछा था, यह द्विपक्षीय झड़प थी-एकतरफा हमला नहीं था, किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई थी तथा क्षेत्रवाद या जातिवाद से कोई संबंध नहीं था. षड्यंत्रकारियों ने सामान्य घटना को क्षेत्रवाद-जातिवाद का विवाद बनाया, असमिया भाषा में बनावटी ऑडियो बनाकर पूर्वोत्तर के चैनल पर अपलोड किया, इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में फर्जी समाचार छपवाए, 30-40 बाहरी युवाओं को इकट्ठा कर प्रशासनिक भवन के सामने प्रदर्शन करवाया तथा निर्दोष छात्रों के विरुद्ध झूठी एफआईआर दर्ज करवाई और निष्कासन करवाया है. पीड़ति छात्रों का सबसे गंभीर आरोप यह है कि इस षड्यंत्र में चार से अधिक शिक्षक सीधे तौर पर शामिल हैं। ये शिक्षक प्रशासनिक पदों पर रहते हुए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। छात्रों के अनुसार ये शिक्षक वास्को को गलत कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं और उसे संरक्षण प्रदान करते हैं। कुलपति एवं अन्य अधिकारियों पर गलत निर्णय लेने का दबाव बनाते हैं। प्रशासनिक पदों का दुरुपयोग कर सामान्य छात्रों को प्रताड़ति करने में सहायता करते हैं। विभिन्न अवसरों पर एट्रोसिटी एक्ट, अल्पसंख्यक मुद्दों और क्षेत्रीय पूर्वाग्रह का हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं।

तीन वर्षों का षड्यंत्रपूर्ण इतिहास

पीड़ति छात्रों ने खुलासा किया है कि वर्तमान घटना कोई एकाकी घटना नहीं है। विगत तीन वर्षों से विश्वविद्यालय परिसर में इस प्रकार के षड्यंत्रपूर्ण कार्य होते रहे हैं। वास्को गैंग द्वारा बार-बार विभिन्न तरीकों से विश्वविद्यालय की शांति भंग की गई है जिसमें समय-समय पर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार को बंद करवाना, प्रशासनिक भवन के सामने अवैध धरना-प्रदर्शन करवाना, एट्रोसिटी एक्ट के नाम पर झूठी शिकायतें दर्ज करवाना, झूठी मुद्दों का राजनीतिक उपयोग करना, क्षेत्रीय पूर्वाग्रह का हौवा खड़ा कर विवाद पैदा करना शामिल है. इस सुनियोजित षड्यंत्र के परिणामस्वरूप निर्दोष छात्रों को अत्याचार सहने पड़े हैं जिसमें निराधार आरोपों के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई, अनुचित दबाव में आकर प्रशासन ने छात्रों को निष्कासित किया। मीडिया में जातिवादी-क्षेत्रवादी के रूप में चित्रित किया गया। निष्कासन से छात्रों की पढ़ाई और करियर संकट में है। लगातार धमकियों और दबाव से मानसिक तनाव में वृद्धि हुई है। पीड़ति छात्रों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से निम्नलिखित मांगें की हैं की संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च-स्तरीय जांच कराई जाए। वास्को तथा उसके सहयोगी शिक्षकों के विरुद्ध उचित धाराओं में अपराध दर्ज की जाए। साइबर अपराध शाखा द्वारा वास्को के पिछले 3 वर्षों के कॉल डिटेल्स, वाट्सअप चैट व अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच हो। निर्दोष छात्रों के विरुद्ध दर्ज झूठी एफआईआर को निरस्त किया जाए। वास्को को विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जाए और उसके परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगे। विश्वविद्यालय परिसर में शांति व सद्भावना बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।

कानूनी पक्ष एवं संवैधानिक अधिकार

पीड़ति छात्रों ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता तथा गरिमापूर्ण जीवन का मूल अधिकार प्राप्त है। झूठे मामलों में फंसाना इन मूल अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों में यह स्पष्ट किया गया है कि आपराधिक न्याय प्रणाली का दुरुपयोग एक गंभीर अपराध है। पीड़ति छात्रों ने बताया कि इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जबलपुर, नई दिल्ली के प्राधिकारियों को भी पत्र लिखें हैं।

ग्राम पंचायत किरगी में नियमों की अनदेखी, शौचालय के बरामदे तक की बिक्री का आरोप

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। आदिवासी अंचल के मुख्यालय राजेंद्रग्राम स्थित ग्राम पंचायत किरगी में सरपंच अर्जुन सिंह और सचिव फूलचंद सिंह मरावी पर पंचायत संपत्तियों की कथित मनमानी बिक्री को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों की राजनीतिक पकड़ मजबूत होने के कारण पंचायत में नियम-कानून को दरकिनार कर दुकानों और शासकीय भवनों के हिस्सों को लाखों रुपये में बेचा जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत क्षेत्र में एक ही दुकान को दो से तीन लोगों को बेचे जाने के मामले सामने आए हैं। इसके बदले केवल पंचायत की रसीद दी जाती है, जबकि वास्तविक दुकान वर्षों बाद भी नहीं मिलती। एक शिकायतकर्ता ने बताया कि वह वर्ष 2012 से रसीद लेकर भटक रहा है, लेकिन जब भी सरपंच या सचिव से संपर्क करता है तो उसे दूसरी दुकान बनवाकर देने का आश्वासन देकर टाल दिया जाता है। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि डिंडोरी, गड़ासरई और शहडोल जैसे बाहरी क्षेत्रों के बड़े व्यापारियों से संपर्क कर दुकानों का आवंटन किया जा रहा है। वहीं वर्षों से फुटपाथ पर दुकान लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले स्थानीय लोगों के नाम पर दुकानें स्वीकृत तो होती हैं, लेकिन उन्हें केवल रसीद दी जाती है और वास्तविक दुकान बाहरी लोगों को लाखों रुपये में दे दी जाती है। इतना ही नहीं आरोप है कि शासकीय स्वीकृत इमारतों के हिस्सों को भी निजी व्यक्तियों को बेचा गया है। लोगों का कहना है कि बस स्टैंड परिसर में पहले से बने सार्वजनिक शौचालय के सामने बने बरामदे को भी बेच दिया गया है, जो सीधे-सीधे सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग का मामला बनता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो राजेंद्रग्राम के छोटे व्यापारी हमेशा ठेले और गुमटी में ही सीमित रह जाएंगे, जबकि बाहरी क्षेत्रों के व्यापारी यहां व्यापारिक लाभ उठाते रहेंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पंचायत की संपत्तियों के दुरुपयोग पर तत्काल रोक लगाई जाए। लोगों ने यह भी मांग रखी है कि छोटे व्यापारियों के लिए व्यवस्थित रूप से दुकानों की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें स्थायी रूप से रोज़गार मिल सके और पंचायत में पारदर्शिता बहाल हो।

इनका कहना है

मेरे पास यदि लिखित शिकायत आती है तो मैं निश्चित रूप से जांच कर कार्रवाई करूंगा।
गणेश पांडेय, सीईओ
जनपद पुष्पराजगढ़

हर्षोल्लास एवं परंपरागत ढंग से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को पूरे उत्साह, हर्षोल्लास एवं परंपरागत विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा। इस आशय का निर्णय नगर परिषद अमरकंटक की आहूत बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह उईके ने की। बैठक में उपाध्यक्ष रज्जू सिंह नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते, जनप्रतिनिधि, विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी तथा पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित विद्यालयों के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बैठक में यह तय किया गया कि गणतंत्र दिवस समारोह गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक, गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शासकीय विभागों एवं कार्यालयों में प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। विद्यालयों की प्रभात फेरी प्रातः 8:45 बजे मां नर्मदा मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक स्थल पर एकत्रित होगी, जहां ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रपिता पूज्य महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके उपरांत मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया जाएगा। सभी विद्यालय अपने-अपने प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। बैठक में पार्षद रोशन पनारिया, पार्षद विमला दुबे, पार्षद सावित्री सिंह, पार्षद उषा सिंह उईके, पार्षद निधि जैन, श्यामलाल सेन, कांग्रेस अध्यक्ष कल्याण, केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा, शिक्षक संतोष सोनवानी, चरण सिंह, शिव प्रसाद त्रिपाठी, आचार्य तुलसीदास नामदेव, पत्रकार धनंजय तिवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते तथा सनत पांडे सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। बैठक के अंत में गणतंत्र दिवस समारोह को सफल एवं भव्य बनाने हेतु सभी विभागों एवं विद्यालयों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग अनूपपुर द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम बाल कल्याण समिति परिसर में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 किया गया. इस अवसर पर भारत ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल के बालकों को समिति के कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया भ्रमण पश्चात सभागार कक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें गुड टच बैड टच, चवबेव ।बज. की जानकारी प्रदान की गई. इस कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मोहनलाल पटेल, सदस्य श्रीमती अभिलाषा कुमारी पटेल, श्रीमती स्मिता सिंह, श्रीमती शेफाली सिंह, मुकेश गौतम, महिला एवं बाल विकास विभाग से विकास तिवारी, गेंद लाल सिंह,अनीता प्रजापति एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर श्रीमती बिंदु सिंह, निर्मला सिंह आदि उपस्थित रहे।

अनूपपुर थर्मल एनर्जी (म.प्र.) प्राइवेट लिमिटेड की लोक सुनवाई सम्पन्न

प्रस्तावित रेलवे कॉरिडोर हेतु ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने भू-अर्जन के लिए दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जिले के कोतमा तहसील अन्तर्गत आठ ग्रामों कटकोना, बैहाटोला, मैनटोला, डोंगरिया खुर्द, भाटाडांड़, कोरिया खुर्द, कोठी एवं तरसिली में रेलवे कॉरिडोर निर्माण हेतु कुल 89.917 हेक्टेयर निजी भूमि का अर्जन हेतु ग्राम बैहाटोला स्थित शासकीय उच्च विद्यालय में लोक सुनवाई सफलतापूर्वक संपन्न हुई। भूमि अर्जन पुर्नवास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों तहत किये जा रहे भूमि अर्जन का करीब 500 स्थानीय ग्रामीणों ने खुलकर समर्थन किया। इस बाबत उक्त ग्रामों में सामाजिक समाघात अध्ययन का कार्य जिला प्रशासन के देख-रेख में किया गया है। लोकसुनवाई का संचालन कोतमा के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) टीआर नाग एवं सतीश वर्मा, प्रतिनिधि, जिला प्रशासन की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दौरान प्रभावित ग्रामों के भू-स्वामी, स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासकीय अधिकारियों, पत्रकारों एवं कम्पनी के कर्मचारियों की मौजूदगी रही। इस दौरान ग्राम पंचायत कटकोना, बैहाटोला, मैनटोला, डोंगरिया खुर्द, भाटाडांड़, कोरिया खुर्द एवं गुलिडांड़ के सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सामाजिक समाघात के संदर्भ में अपने सुझाव दिए गए तथा प्रस्तावित परियोजना का स्वागत एवं समर्थन किया गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा रखे गए सुझावों एवं प्रश्नों को गंभीरता से सुना और उन्हें अभिलेखित किया।

लोक सुनवाई के सफल होने पर उपस्थित लोगों ने खुशी जाहिर की। ग्राम पंचायत भाठा डांड़ की सरपंच ओमवती ने कहा कि, "आज आमलोगों को पानी के तरह ही बिजली की भी जरूरत है और इसलिए हम इस परियोजना का समर्थन करते हैं।" जबकि ग्राम पंचायत कटकोना की सरपंच गेंदिया बाई ने प्रस्तावित भू-अर्जन का स्वागत करते हुए कहा कि, अदाणी कंपनी के द्वारा इस क्षेत्र के विकास के लिए बहुत कुछ किया जा रहा है, इसके अलावा उचित मुआबजा एवं अन्य सुविधाओं का ख्याल रखा जाए।" वहीं तरसीली के निवासी राजेंद्र साहू ने कहा कि, "इस परियोजना के आने से इस क्षेत्र के लोगों को ही नहीं बल्कि पूरे देश को बिजली मिलेगा एवं लाभ होगा।" उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के छतई, मझटोलिया और उमरदा ग्राम में 4 800 मेगावाट कोयला आधारित अल्ट्रा सुपर थर्मल पावर प्लांट के स्थापना का कार्य प्रगति पर है। इससे मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में बिजली की मांग में हो रही लगातार वृद्धि को पूरा करने में मदद मिलेगी एवं तेजी से आर्थिक विकास होगा। सामाजिक सरोकारों के तहत इस क्षेत्र में अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका उन्नयन और ढांचागत विकास के कई कार्यक्रमों का संचालन हो रहा है। गांव की महिलाओं एवं युवाओं को कई स्वरोजगार कार्यों से जोड़ा जा रहा है। अदाणी फाउंडेशन की सामुदायिक सहभागिता के स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के द्वारा नजदीक के सभी ग्रामों में लोगों का समुचित विकास होगा।

नगर में घुसा हाथी, वृद्ध को कुचला, अस्पताल में हुई मौत

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। जैतहरी नगर की वार्ड क्रमांक 3 में गुरुवार एवं शुक्रवार की मध्य रात्रि तीन हाथियों के समूह के एक हाथी द्वारा 80 वर्षीय वृद्ध पर हमला करने पर गंभीर रूप से घायल वृद्ध की जिला अस्पताल अनूपपुर में उपचार दौरान मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार तीन हाथियों का समूह जो 25 दिनों से जैतहरी इलाके में विचरण करते हुए विगत दो दिनों से जैतहरी नगर मे रात होते ही विचरण करने आ जाते हैं जो ग्रामीण जनों के खेत बांड़ियों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाने की तलाश कर घूमते हैं गुरुवार एवं शुक्रवार की मध्य रात्रि तीनों हाथी पचौहा के पाठबाबा जंगल से निकल कर टकहुली लहरपुर से देर रात नगरपरिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 3 पथरहा टोला में पहुंचे जहां खेत में बने घर के पास से बाहर खलिहान में निकले 80 वर्षीय वृद्ध हशंलाल राठौर पिता नोहरा राठौर का अचानक हाथियों से आमना सामना होने पर एक हाथी द्वारा उन्हें सूढ से पकड कर जमीन में पटक दिया तथा पैर से दबा कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घटना की जानकारी पर परिजनों द्वारा उन्हें निजी साधन से जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर उपचार कराया जा रहा था इसी दौरान वृद्ध की उपचार दौरान मौत हो गई वही तीनों हाथी जैतहरी एवं लहरपुर ग्राम में देर रात तक विचरण कर खेत एवं बांडियो में लगे विभिन्न प्रकार की फसलों को अपना आहार बना रहे हैं।

आशा योजना अन्तर्गत संयुक्त टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मध्य प्रदेश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल (अध्यक्ष) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के निर्देशन में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की आशा योजना अन्तर्गत बाल विवाह मुक्त भारत हेतु चलाये जाने वाले 100 दिवसीय गहन जन-जागरूकता के संबंध में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण समिति, महिला एवं बाल विकास के प्रति निधियों की सयुक्त टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन 16 जनवरी को विनोद कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर की अध्यक्षता में एवं बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। उक्त बैठक में बाल विवाह के उच्च जोखिम वाले हॉटस्पाट क्षेत्रों की पहचान की गयी साथ ही पैरालीगल वैलेंटियर्स आशा कार्यकर्ता ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार किये जाना है। इस संबंध में हॉटस्पाट क्षेत्रों में संचालित स्कूल में शिक्षा विभाग द्वारा एक-एक नोडल शिक्षक नामित किये जायेगें। उक्त अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु मकर संक्राति के अवसर पर अमरकंटक मेला स्थल सीतानगर मेला स्थल एवं ग्राम बरवगॉ में मेला स्थल पर पैरालीगल वैलेंटियर्स के सहयोग से दो दिवसीय हेल्प डेस्क लगाई गई। उक्त बैठक में सिविल सर्जन एस.आर परस्ते प्रभारी, जिला शिक्षाधिकारी ओमकार सिंह धुर्वे, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति मोहनलाल पटेल सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमति मंजुशा शर्मा एवं विधिसह परवीक्षा अधिकारी अशोक त्रिपाठी उपस्थित रहें।

संकल्प से समाधान तथा अटल ई-सेवा केंद्र का जिंप सीईओ ने किया निरीक्षण

वॉस इन व्हील मॉक ड्रिल का किया अवलोकन

धनगंवा पूर्वी व लपटा कलस्टर बैठक में शामिल हो कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत धनगंवा पूर्वी तथा लपटा कलस्टर की बैठक में शामिल हुई। उन्होंने कलस्टर स्तरीय बैठक में संकल्प से समाधान, अटल ई-सेवा केंद्र, आधार ई केवाईसी, वास इन व्हीकल कार्यों का निरीक्षण किया तथा मनरेगा अंतर्गत जल गंगा संवर्धन, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, ग्राम पंचायत के अभिलेख व निर्माण पंजी संधारण, पांचवा एवं 15वां वित्त के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके रैकवार जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी रावेन्द्र पटेल, डां उमेश द्विवेदी सहित सहायक यंत्री, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, उपयंत्री, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पंचायत समन्वय अधिकारी आदि उपस्थित रहे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित खेत तालाब कार्य की समीक्षा करते हुए श्रमिक नियोजन को बढ़ाया जाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष के लेबर बजट के अनुसार लक्ष्य की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतो को मेहनत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए हितग्राहियो के कार्यों की मॉनिटरिंग तथा समय पर कार्य पूर्णता के लिए सतत भ्रमण के निर्देश दिए। नल जल योजना के बेहतर संचालन के लिए बकाया विद्युत बिलों को समय पर जमा करने, निर्माण कार्यों मैं दो प्रतिशत टीडीएस कटौती, जीपीडीपी कार्य योजना अनुसार कार्यों की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत कलस्टर के प्रगति से ही जनपद की प्रगति परिलक्षित होती है।

शासकीय उमावि धनगंवा पूर्वी का जिपं सीईओ ने किया निरीक्षण

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनगंवा पूर्वी, प्राथमिक विद्यालय तथा हाई स्कूल के पुराने भवन का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर जनपद जैतहरी के सीईओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने भवनों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली तथा परिसर के विकास कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

वॉस इन व्हील मॉक ड्रिल का सीईओ ने लिया जायजा

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत धनगंवा पूर्वी तथा लपटा में स्वच्छता साथी के द्वारा वॉस इन व्हील के तहत की जाने वाली गतिविधियों के मॉक ड्रिल का जायजा लिया तथा स्वच्छता साथी के सामुदायिक व व्यक्तिगत स्वच्छता परिसर में निर्धारित शुल्क देकर उपयोगिता के संबंध में ग्राम पंचायत को आवश्यक प्रचार प्रसार के निर्देश दिए।

आजीविका दीदियो से जिपं सीईओ ने किया संवाद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम पंचायत धनगंवा पूर्वी के आस्था ग्राम संगठन तथा लक्ष्मी स्व सहायता समूह दर्री टोला की आजीविका दीदियो से रूबरू होकर संवाद किया। इस मौके पर आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके रैकवार जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी ने स्व सहायता समूह के कार्यों की जानकारी आजीविका दीदियो से प्राप्त करते हुए उन्हें कौशल उन्नयन कर अजीविका गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक समृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आजीविका दीदियो को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी आदि गतिविधि का कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने स्व सहायता समूह की आजीविका दीदियो से उनकी गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली गई महिलाओं ने अवगत कराया कि वह किराना, ढाबा, सिलाई, ब्यूटी पार्लर आदि स्वरोजगार गतिविधि का कार्य किया जा रहा है।